भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का भारतीय सांख्यिकी सेवा के प्रोबेशनर्स से मुलाकात के अवसर पर सम्बोधन

राष्ट्रपति भवन : 16.12.2022

सर्वप्रथम, मैं आप सभी को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित परीक्षा में आपकी सफलता के लिए बधाई देती हूं। आप सभी ने लोक सेवा को अपने करियर के रूप में चुना है। आपको, अपने क्षेत्राधिकार में नेतृत्व की भूमिका निभाकर बदलाव लाने का अवसर मिला है।

प्रिय अधिकारियों

एक कहावत है - यदि आप पता नहीं लगा सकते, तो आप प्रबंधन नहीं कर सकते। इसलिए, measurable और quantifiable dimensions शासन के लिए आवश्यक हैं। सटीक सांख्यिकीय विश्लेषण के बिना प्रभावी नीति निर्माण और क्रियान्वयन नहीं हो सकता। अनंत सूचना और डेटा प्रवाह के इस युग में, सांख्यिकी का कार्य और महत्व बढ़ा है। जब किसी पैरामीटर के संबंध में भारत के रैंक की बात होती है, तो यह आंकड़ों में होती है। जब हम कहते हैं कि भारत युवाओं का देश है या इसका डेमोग्राफिक डिविडेंड अधिक है, तो यह बात आंकड़ों के आधार पर ही कही जाती है। साथ ही, सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर हम गर्व से कहते हैं कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

भारत में 'सांख्य' शब्द हजारों वर्ष पुराना है। भारतीय प्रणाली में मान्य ज्ञान के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में संख्याओं का महत्व है। मैं उल्लेख करना चाहूंगी कि numeracy भारतीय **mind** में विशेष महत्व रखती है, numeracy से संबंधित अधिकांश अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय बच्चे जीत दर्ज करते हैं।

युवा अधिकारियों

इसी व्यापक संदर्भ में भारतीय सांख्यिकी सेवा के महत्व को समझा जा सकता है। सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के उपयोग के लिए केंद्रीय स्तर पर आधिकारिक आंकड़ों के संकलन में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुझे विश्वास है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम आपको अपने कर्तव्यों का कुशलतापूर्वक पालन करने में सक्षम बनाएगा। मुझे बताया गया है कि आपके प्रशिक्षण में डेटा माइनिंग, बिग डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के हाल ही में उभरे क्षेत्रों सहित अनेक क्षेत्रों के विभिन्न मॉड्यूल

शामिल होते हैं। आपकी सेवा में उच्च दक्षता वाली सांख्यिकीय विधियों की आवश्यकता होती है, जिसका उपयोग आप देश के डेटा और सूचना आवश्यकता के समाधान के लिए कर कर पाएंगे।

प्रिय probationers

भारत सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के एक नए आरंभिक चरण पर खड़ा है। डिजिटल प्रौद्योगिकियों की बढ़ती पैठ से सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और दक्षता आई है और इसने ई-सरकार के परिदृश्य को बदला है। इन पहलों के माध्यम से आने वाले डेटा से सरकार को प्रभावी निर्णय लेने में सहायता मिलती है।

जैसा कि हम जानते हैं, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों द्वारा कई महत्वपूर्ण मैक्रो-इकोनॉमिक **indicators** और अन्य महत्वपूर्ण डेटा जारी किए जाते हैं। आपकी सेवा के दौरान, आप सभी वरिष्ठ पदों पर रहेंगे और आधिकारिक सांख्यिकी के डोमेन में तकनीकी नेतृत्व प्रदान करेंगे।

प्रिय अधिकारियों

आप, निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें। भारत को तेजी से प्रगति और विकास की ओर ले जाने में आपका बहुत बड़ा योगदान होगा। आपके द्वारा प्रदान की जाने वाली information और data analysis से नीतियों को बनाने और लागू करने में जो सहायता मिलेगी वह सुनिश्चित करेगी कि विकास की यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे।

मुझे यह जानकर भी प्रसन्नता हुई है कि यहां उपस्थित अधिकारियों में 40 प्रतिशत से अधिक महिला अधिकारी हैं। बड़े पदों पर और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की अधिक संख्या निश्चित रूप से भारत के समावेशी विकास के संकल्प को मजबूत करेंगी।

आप सभी के शानदार करियर और उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

धन्यवाद,
जय हिन्द!